

॥ २५ ॥ वाकेषुमंत्रेषुसामान्यतः कर्मप्रकाशकेषु अनुवाकेषुमंत्रार्थविवरणभूतेषुब्राह्मणवाक्येषु निषत्सुकर्मागाधवबद्धदेवतादिज्ञानवाक्येषु उपनिषत्सुकेवलतात्मज्ञापकवाक्येषु गृणंतिध्यायंति सत्यंअवा
धितं सत्येषुअबाधितार्थेषु सामसुज्येष्ठसामादिषु ॥ २६ ॥ चतुर्भिर्नामभिःवासुदेवसंकर्षणप्रद्युम्नानिरुद्धरूपैःक्रमाच्चतुरात्मानंब्रह्मजीवननोहंकाररूपं सत्वस्थंबुद्धौअभिव्यक्तं सात्वतांभक्तानांपति ॥ २७ ॥
नित्यंतपःस्वधर्मःतत्तस्मिन् यत्प्रीत्यर्थंतप्तंसत्यतयस्मादंगेषुचित्तेषुअनुतिष्ठतिउपतिष्ठति यश्चसर्वात्मातंप्रपद्येइतिसर्वेषांयच्छब्दसंबद्धानांप्रथमेनान्वयः ईश्वरार्थमनुष्ठितोधर्मःस्वचित्तशुद्धिद्वारास्वार्थएव

गरीयसांगरिष्ठंचश्रेष्ठंचश्रेयसामपि ॥ २५ ॥ यंवाकेष्वनुवाकेषुनिषत्सूपनिषत्सुच ॥ गृणंतिसत्यकर्माणंसत्यंसत्येषुसामसु ॥ २६ ॥ चतुर्भिश्चतुरात्मानंसत्व
स्थंसात्वतांपति ॥ यंदिव्यैर्देवमर्चंतिगुह्यैःपरमनामभिः ॥ २७ ॥ यस्मिन्नित्यंतपस्तप्तंयदंगेष्वनुतिष्ठति ॥ सर्वात्मासर्ववित्सर्वःसर्वज्ञःसर्वभावनः ॥ २८ ॥ यंदे
वंदेवकीदेवीवसुदेवादजीजनत् ॥ भौमस्यब्रह्मणोगुह्यैर्दीप्तमग्निमिवारणिः ॥ २९ ॥ यमनन्योव्यपेताशीरात्मानंवीतकल्मषं ॥ दृष्ट्यानंत्यायगोविंदंपश्यत्या
त्मानमात्मनि ॥ ३० ॥ अतिवाग्बिद्रकर्माणमतिसूर्यातितेजसं ॥ अतिबुद्धीद्रियात्मानंतंप्रपद्येप्रजापति ॥ ३१ ॥ पुराणेपुरुषंप्रोक्तंब्रह्मप्रोक्तंयुगादिषु ॥ क्षये
संकर्षणंप्रोक्तंतमुपास्यमुपास्महे ॥ ३२ ॥ यमेकंबहुधात्मानंप्रादुर्भूतमधोक्षजं ॥ नान्यभक्ताःक्रियावंतोजयंतेसर्वकामदं ॥ ३३ ॥ यमाहुर्जगतःकोशंयस्मि
न्संनिहिताःप्रजाः ॥ यस्मिँल्लोकाःस्फुरंतीमेजलेशकुनयोयथा ॥ ३४ ॥ ऋतमेकाक्षरंब्रह्मयत्तत्सदसतोःपरं ॥ अनादिमध्यपर्यंतंनदेवानर्पयोविदुः ॥ यंसुरा
सुरगंधर्वाःसिद्धाऋषिमहोरगाः ॥ ३५ ॥ प्रयतानित्यमर्चंतिपरमंदुःखभेषजं ॥ अनादिनिधनंदेवमात्मयोनिंसनातनं ॥ ३६ ॥ अप्रेक्ष्यमनभिज्ञेयंहरिंना
रायणंप्रभुं ॥ यंवैविश्वस्यकर्तारंजगतस्तस्थुषांपति ॥ वदंतिजगतोध्यक्षमक्षरंपरमंपदं ॥ ३७ ॥ हिरण्यवर्णंयंगर्भमदितेर्देव्यनाशनं ॥ एकंद्वादशधाजज्ञेतस्मै
सूर्यात्मनेनमः ॥ ३८ ॥ शुक्लेदेवान्पितृन्ऋणोतर्पयत्यमृतेनयः ॥ यश्चराजाद्विजातीनांतस्मैसोमात्मनेनमः ॥ ३९ ॥ महतस्तमसःपारेपुरुषंत्यतितेजसं ॥ यंज्ञा
त्वामृत्युमत्येतितस्मैज्ञेयात्मनेनमः ॥ ४० ॥ यंबृहंतंबृहत्युक्थेयमग्नौयंमहाध्वरे ॥ यंविप्रसंघागायंतितस्मैवेदात्मनेनमः ॥ ४१ ॥

भौमंब्रह्मवेदाब्राह्मणायज्ञाश्च ॥ २९ ॥ अनन्यःत्यक्तभेदः आत्मानंप्रत्यंचमेव आत्मानंसर्वेश्वरंआत्मनिहार्दाकाशेदृष्ट्यासूक्ष्मबुद्ध्या इष्ट्वेतिपाठेयोगेन पश्यतिआनंत्यायमोक्षाय ॥ ३० ॥ ३१ ॥ पुराणेअती
तकल्पादिविषयेपुरुषंपूर्णंसर्वमस्मिन्तीतमस्येवेतियोगात्पुरुषइतिनाम युगादिषुयुगारंभेषुबृंहकत्वात्सृष्टेरेनंब्रह्मेत्याहुः क्षयेसर्वस्यसम्यक्कर्षणादयंसंकर्षणइत्युक्तः ॥ ३२ ॥ बहुधाइंद्रादिदेवतारूपेण नान्यभ
क्ताःअनन्यभक्ताः ॥ ३३ ॥ शकुनयोहंसकारंढवाद्याः ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ जज्ञेजनयामास ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ अतितेजसंस्वयंज्योतिषं ज्ञेयात्मनेनतूपास्यात्मने ॥ ४० ॥ उक्थेबहुचाः अग्नौचयनेऽध्वर्यवः ॥ ४१ ॥

भवतीत्याश्चर्यमितिभावः ॥ २८ ॥

॥ २८ ॥

॥ ३० ॥

॥ ३१ ॥

॥ ३२ ॥

॥ ३३ ॥

॥ ३४ ॥

॥ ३५ ॥

॥ ३६ ॥

॥ ३७ ॥

॥ ३८ ॥

॥ ३९ ॥

॥ ४० ॥

॥ ४१ ॥

॥ ४२ ॥

॥ ४३ ॥

॥ ४४ ॥

॥ ४५ ॥

॥ ४६ ॥

॥ ४७ ॥

॥ ४८ ॥

॥ ४९ ॥

॥ ५० ॥

॥ ५१ ॥

॥ ५२ ॥

॥ ५३ ॥

॥ ५४ ॥

॥ ५५ ॥

॥ ५६ ॥

॥ ५७ ॥

॥ ५८ ॥

॥ ५९ ॥

॥ ६० ॥

॥ ६१ ॥

॥ ६२ ॥

॥ ६३ ॥

॥ ६४ ॥

॥ ६५ ॥

॥ ६६ ॥

॥ ६७ ॥

॥ ६८ ॥

॥ ६९ ॥

॥ ७० ॥

॥ ७१ ॥

॥ ७२ ॥

॥ ७३ ॥

॥ ७४ ॥

॥ ७५ ॥

॥ ७६ ॥

॥ ७७ ॥

॥ ७८ ॥

॥ ७९ ॥

॥ ८० ॥

॥ ८१ ॥

॥ ८२ ॥

॥ ८३ ॥

॥ ८४ ॥

॥ ८५ ॥

॥ ८६ ॥

॥ ८७ ॥

॥ ८८ ॥

॥ ८९ ॥

॥ ९० ॥

॥ ९१ ॥

॥ ९२ ॥

॥ ९३ ॥

॥ ९४ ॥

॥ ९५ ॥

॥ ९६ ॥

॥ ९७ ॥

॥ ९८ ॥

॥ ९९ ॥

॥ १०० ॥

॥ १०१ ॥

॥ १०२ ॥

॥ १०३ ॥

॥ १०४ ॥

॥ १०५ ॥

॥ १०६ ॥

॥ १०७ ॥

॥ १०८ ॥

॥ १०९ ॥

॥ ११० ॥

॥ १११ ॥

॥ ११२ ॥

॥ ११३ ॥

॥ ११४ ॥

॥ ११५ ॥

॥ ११६ ॥

॥ ११७ ॥

॥ ११८ ॥

॥ ११९ ॥

॥ १२० ॥

॥ १२१ ॥

॥ १२२ ॥

॥ १२३ ॥

॥ १२४ ॥

॥ १२५ ॥

॥ १२६ ॥

॥ १२७ ॥

॥ १२८ ॥

॥ १२९ ॥

॥ १३० ॥

॥ १३१ ॥

॥ १३२ ॥

॥ १३३ ॥

॥ १३४ ॥

॥ १३५ ॥

॥ १३६ ॥

॥ १३७ ॥

॥ १३८ ॥

॥ १३९ ॥

॥ १४० ॥

॥ १४१ ॥

॥ १४२ ॥

॥ १४३ ॥

॥ १४४ ॥

॥ १४५ ॥

॥ १४६ ॥

॥ १४७ ॥

॥ १४८ ॥

॥ १४९ ॥

॥ १५० ॥

॥ १५१ ॥

॥ १५२ ॥

॥ १५३ ॥

॥ १५४ ॥

॥ १५५ ॥

॥ १५६ ॥

॥ १५७ ॥

॥ १५८ ॥

॥ १५९ ॥

॥ १६० ॥

॥ १६१ ॥

॥ १६२ ॥

॥ १६३ ॥

॥ १६४ ॥

॥ १६५ ॥

॥ १६६ ॥

॥ १६७ ॥

॥ १६८ ॥

॥ १६९ ॥

॥ १७० ॥

॥ १७१ ॥

॥ १७२ ॥

॥ १७३ ॥

॥ १७४ ॥

॥ १७५ ॥

॥ १७६ ॥

॥ १७७ ॥

॥ १७८ ॥

॥ १७९ ॥

॥ १८० ॥

॥ १८१ ॥

॥ १८२ ॥

॥ १८३ ॥

॥ १८४ ॥

॥ १८५ ॥

॥ १८६ ॥

॥ १८७ ॥

॥ १८८ ॥

॥ १८९ ॥

॥ १९० ॥

॥ १९१ ॥

॥ १९२ ॥

॥ १९३ ॥

॥ १९४ ॥

॥ १९५ ॥

॥ १९६ ॥

॥ १९७ ॥

॥ १९८ ॥

॥ १९९ ॥

॥ २०० ॥

॥ २०१ ॥

॥ २०२ ॥

॥ २०३ ॥

॥ २०४ ॥

॥ २०५ ॥

॥ २०६ ॥

॥ २०७ ॥

॥ २०८ ॥

॥ २०९ ॥

॥ २१० ॥

॥ २११ ॥

॥ २१२ ॥

॥ २१३ ॥

॥ २१४ ॥

॥ २१५ ॥

॥ २१६ ॥

॥ २१७ ॥

॥ २१८ ॥

॥ २१९ ॥

॥ २२० ॥

॥ २२१ ॥

॥ २२२ ॥

॥ २२३ ॥

॥ २२४ ॥

॥ २२५ ॥

॥ २२६ ॥

॥ २२७ ॥

॥ २२८ ॥

॥ २२९ ॥

॥ २३० ॥

॥ २३१ ॥

॥ २३२ ॥

॥ २३३ ॥

॥ २३४ ॥